(b) will the Government sanction these proposals since these centres are unique on various aspects and givng training for professional all over India; and

(c) if so, by when the decision is likely to be taken, if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE DEPARTMENT OF ANIMAL HUSBANDRY AND DAIRYING (DR. RAGHUVANSH PRASAD SINGH): (a) to (c) Yes Sir. The proposal is being examined by government agencies. The Government will take a decision soon on the proposal.

मद्य-निर्माणशालाओं के कारण होने वाला जल प्रदूषण

649. श्री सोमपाल: क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सही है कि देश में बहुत सी मद्य-निर्माणशालाओं और स्पिरिट बनाने वाले कारखानों द्वारा हानिकारक तरल कचरे खुले नालों में बहा दिए जाते हैं जिसके परिणामस्वरूप सभी छोटी-बड़ी नदियां प्रदूषित हो जाती हैं;

(ख) क्या यह भी सच है कि इसके कारण अनेक स्थानों पर भूमिगत जल प्रदूषित और विषैला हो गया है;

(ग) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि उत्तर प्रदेश विशेषकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में स्थित मद्य-निर्माणशालाओं, कागज के कारखानों और अन्य रासायनिक कारखानों के कारण यमूना, गंगा और इनकी सहायक नदियों तथा इनके आसपास के क्षेत्रों में स्थित भूमिगत कुओं का जल भी प्रदूषित हो गया है; और

(घ) यदि हां, तो प्रदूषण पैदा करने वाले कारखानों की सूची तथा उनके विरुद्ध अब तक की गई एवं भविष्य में की जाने वाली कार्यवाहियों का ब्यौरा क्या है?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन जय नारायण प्रसाद निषाद): (क) और (ख) देश में अधिकतर मद्य-निर्माणशालाओं और स्पिरिट बनाने वाले कारखानों में बहिस्राव शोधन सुविधा लगा ली है और वे शोधन के बाद ही अपना बहिस्रावों को विसर्जित कर रहे हैं, लेकिन कुछ मामलों में निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है, जिनके परिणामस्वरूप कुछ स्थानों पर सतह/भूमि जल सदूषित हो रहा है।

(ग) और (घ) उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार उत्तर प्रदेश में नदी प्रदूषण का मुख्य कारण शहरी मलजल और उद्योगों का अपशिष्ट जल है। इन सेक्टरों में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में स्थित कुल 81 उद्योगों जैसेकि मद्य-निर्माणशालाएं, पेपर मिलें और रसायन में से 78 कारखानों में बहिस्राव शोधन संयंत्र लगाए हैं और शेष 3 दोषी इकाइयों की स्थिति इस प्रकार है:

इकाई का नाम	स्थिति	टिप्पणी
1. केन्द्रीय मद्यशाला, मेरठ	बहिस्राव शोधन संयंत्र नहीं लगाया।	11.3.94 से यूनिट बंद है।
2. कामधेनु पेपर (प्रा.) लि॰ गजरौला, मुरादाबाद	बहिस्राव शोधन संयंत्र निर्माणाधीन है।	--
3. कोरल न्यू पेपर, गजरौला, मुरादाबाद	-वही-	--

Increase in Berth Quota Reservations in Gujarat

650. SHRI RAJUBHAI A. PARMAR: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether his Ministry have received a number of representations for increasing the berth quota reservations at various railway stations in Gujarat for the trains directly connected with Delhi and Mumbai; and

(b) if so, the details thereof and the action taken or proposed to be taken alongwith the details of quota so increased in each train?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) Yes, Sir.

(b) The details are as under:

	Station/Train No.	Direction
Vapi	2925 Paschim Express	Delhi
Amalsad	42 Viramgram-Mumbai Passenger	Mumbai
	9023 Janata Express	Delhi
Billimora	9022 Flying Ranee Express	Mumbai
	9012 Gujarat Express	Mumbai
Chappi	9018 Saurashtra-Janata Express	Mumbai
	9006 Saurashtra Mail	Mumbai
Jamnagar	9018 Saurashtra-Janata Express	Mumbai
Mumbai	9216 Saurashtra Express	Mumbai
Dholka	9006 Saurashtra Mail	Mumbai
Dhandhuk	9006 Saurashtra Mail	Mumbai
Botad	9006 Saurashtra Mail	Mumbai
Jetpur	9006 Saurashtra Mail	Mumbai

The demands have been examined and additional quota of two sleeper class berths by 2925 Mumbai-Amritsar Paschim Express has been allotted at Vapi station. The quota available at other stations is adequate to meet the present level of demand.

केन्द्रीय विद्यालयों की संख्या

651. श्रीमती मालती शर्मा: क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1993-94, 1994-95 एवं 1995-96 के दौरान देश में स्थापित किए जाने हेतु कुल कितने नये केन्द्रीय विद्यालय स्वीकृत किये गये और उनकी राज्य-वार संख्या कितनी है;

(ख) देश में अब तक कुल कितने केन्द्रीय विद्यालय स्थापित किये जा चुके हैं और कितने विद्यालयों के पास अपनी भूमि तथा भवन है;

(ग) क्या यह सच है कि अनेक केन्द्रीय विद्यालय अभी भी टैन्टों में चल रहे हैं; और

(घ) यदि हां, तो ऐसे विद्यालयों की राज्य-वार संख्या कितनी है तथा सरकार द्वारा उनको आवश्यक भवन कब तक उपलब्ध करा दिये जाने की संभावना है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के शिक्षा विभाग में राज्य मंत्री (श्री मुही राम सैकिया): (क) 1993-94 से 1995-96 तक अवधि के दौरान खोले गए केन्द्रीय विद्यालयों की राज्य-वार, वर्ष-वार संख्या दर्शाने वाला विवरण नीचे दिया गया है।

(ख) केन्द्रीय विद्यालय 858 हैं जिनमें 2 विदेशों के भी शामिल हैं। इनमें से, 331 विद्यालयों की अपनी भूमि और भवन हैं। परियोजना क्षेत्र के 167 विद्यालयों के मामले में, विद्यालय चलाने के लिए अनिवार्य भूमि तथा भवन प्रदान करने का दायित्व परियोजना प्राधिकारियों का ही है।

(ग) और (घ): केवल 12 विद्यालयो ही तम्बुओं में चल रहे हैं। राज्य-वार संख्या इस प्रकार है:

दिल्ली	-	5
राजस्थान	-	3
जम्मू और काश्मीर	-	2
मणिपुर	-	1
हरियाणा	-	1

इनमें 12 में से, 6 विद्यालयों में स्थायी भवन का निर्माण संस्वीकृत कर दिया गया है। 3 विद्यालयों में भूमि स्थानांतरण कारगर हो गया है तथा कार्य ड्राइंग तथा/अथवा प्राक्कलन तैयार करने के चरण पर हैं। तीन विद्यालयों के संबंध में प्रायोजित प्राधिकारियों द्वारा भूमि औपचारिक रूप से आवंटित/स्थानांतरित नहीं की गई है। इस मामले को प्रायोजित प्राधिकारियों के साथ पहले ही उठाया गया है। यह सुनिश्चित किए जाने के लिए कि भवन यथासंभव शीघ्र तैयार हो जाएं, कार्रवाई पहले ही आरंभ कर दी गई है।

विवरण

(क) 1993-94 से 1995-96 तक की अवधि के दौरान खोले गए राज्यवार, वर्ष-वार केन्द्रीय विद्यालय

राज्य	1993-94	1994-95	1995-96	कुल
आंध्र प्रदेश	01	02	01	04
असम	01	-	02	03
बिहार	02	02	01	05
गुजरात	02	01	-	03
हरियाणा	01	01	02	04
हिमाचल प्रदेश	01	01	-	02
केरल	01	-	02	03
कर्नाटक	02	-	01	03
मध्य प्रदेश	08	05	04	17
महाराष्ट्र	01	-	-	01
उड़ीसा	01	03	01	05
राजस्थान	01	03	01	05
त्रिपुरा	01	-	-	01
उत्तर प्रदेश	02	03	01	06
पश्चिम बंगाल	-	01	02	03
दिल्ली	01	01	-	02
अरूणाचल प्रदेश	-	-	01	01
नागालैंड	-	-	02	02
तमिलनाडु	-	-	01	01
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	-	-	01	01
	26	23	23	72